मशरूम खोदने वाला सूअर

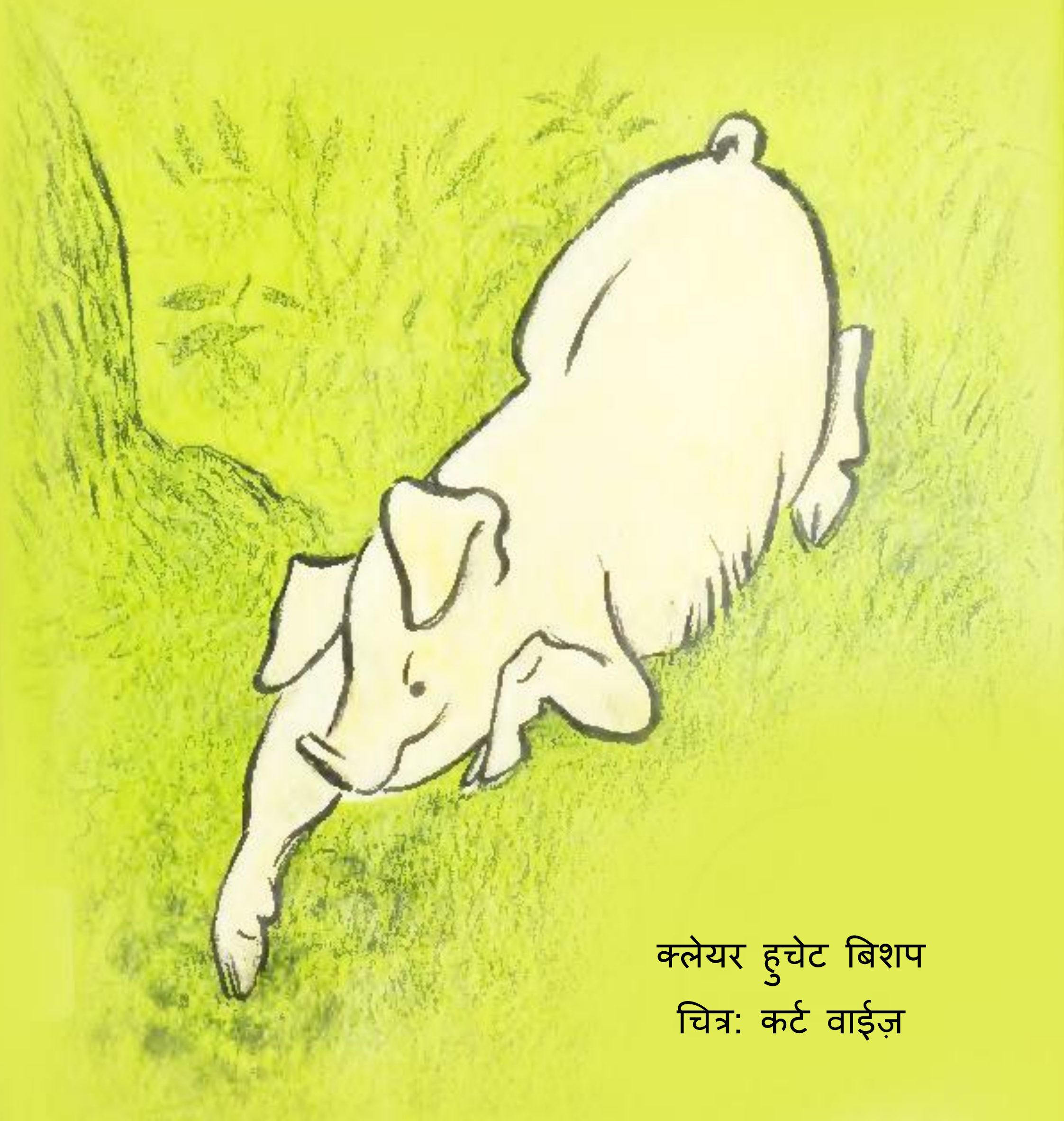

क्लेयर हुचेट बिशप
चित्र: कर्ट वाईज़

पुस्तक के बारे में

पियरे अकेला था, और वो अक्सर भूखा रहता था. वह हमेशा खुली आग पर सॉसेज भूनने का सपना देखता था - इसलिए पियरे और उसके माता-पिता ने पैसे बचाए और उनसे एक सूअर का बच्चा खरीदा. सूअर का बच्चा जब बड़ा होगा तो उसके मीट से बढ़िया सॉसेज बनेंगे. पियरे ने उस सूअर के बच्चे का नाम मार्सेल रखा, और वह अपने पालतू जानवर की अच्छी देखभाल करता था. छोटा लड़का अब अकेला नहीं था, क्योंकि मार्सेल उसका दोस्त उसके साथ जो था.

इस आकर्षक और रहस्यपूर्ण कहानी में, जो फ्रांस के पेरिगोर्ड क्षेत्र में घटती है, पियरे ट्रफल्स मशरूम्स के बारे में कुछ आश्चर्यजनक तथ्य सीखता है. घुंडीदार, भूरे मशरूम जैसे ट्रफल्स मशरूम्स जिन्हें ढूंढना मुश्किल था क्योंकि वे ज़मीन के नीचे उगते थे, आमतौर पर ओक के पेड़ों की जड़ों के आसपास. ट्रफल्स मशरुम का उपयोग फ्रेंच गूज लिवर पेस्ट, विश्व प्रसिद्ध पेस्ट डीसी फॉई ग्रास, साथ ही कई अन्य स्वादिष्ट व्यंजनों में किया जाता था. वे एक दुर्लभ और स्वादिष्ट व्यंजन थे! लोग ट्रफल्स मशरूम खाना बहुत पसंद करते थे और वे इसके लिए बहुत पैसे भी देते थे. सूअरों को भी ट्रफल्स मशरुम खोजना बहुत पसंद था और वे उन्हें ढूँढ़ना और खोदना जानते हैं. लेकिन मार्सेल का क्या? क्या उसे मारकर उसका सॉसेज बनाया जाएगा? और उसका नाम मशरूम सूअर कैसे पड़ा? बच्चों को पियरे और मार्सेल की कहानी बहुत पसंद आएगी और वे कर्ट वाईज के शानदार भावपूर्ण चित्रों का अवश्य आनंद लेंगे.

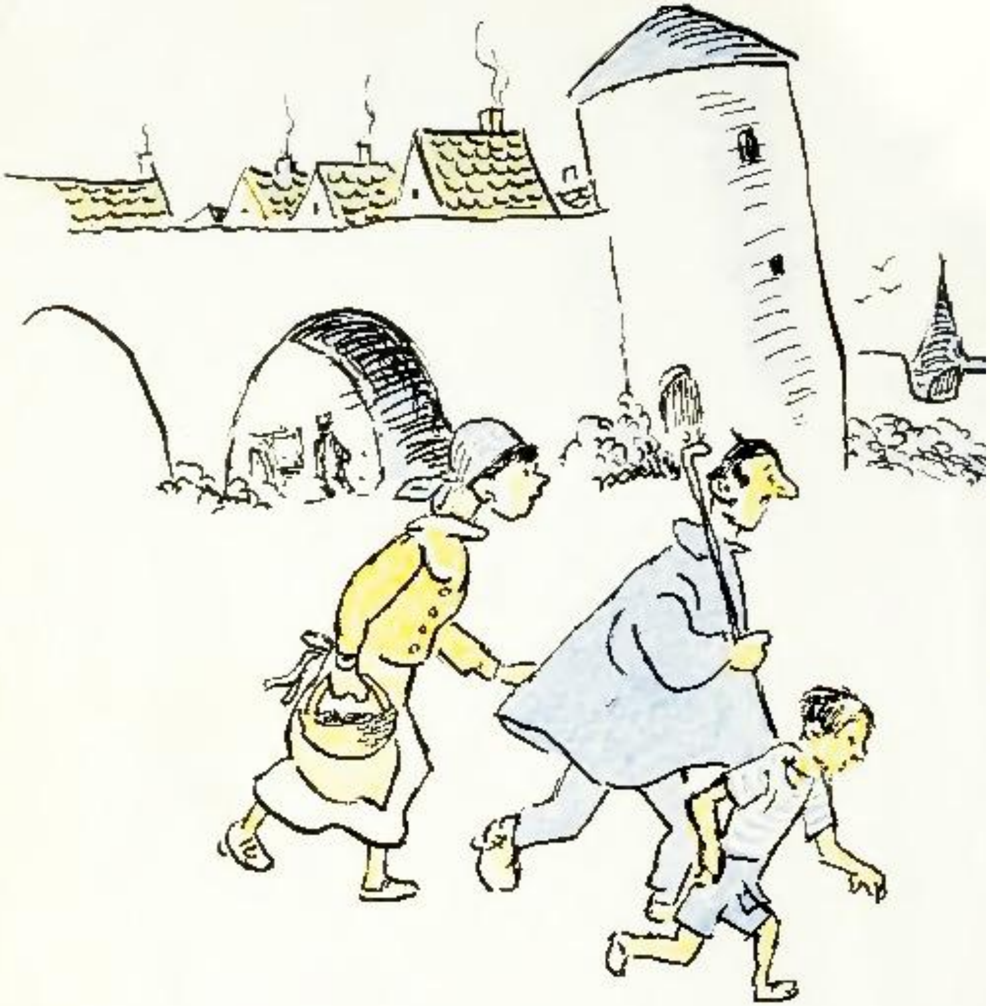

मशरूम खोदने वाला सूअर

क्लेयर हुचेट बिशप
चित्र: कर्ट वाईज़

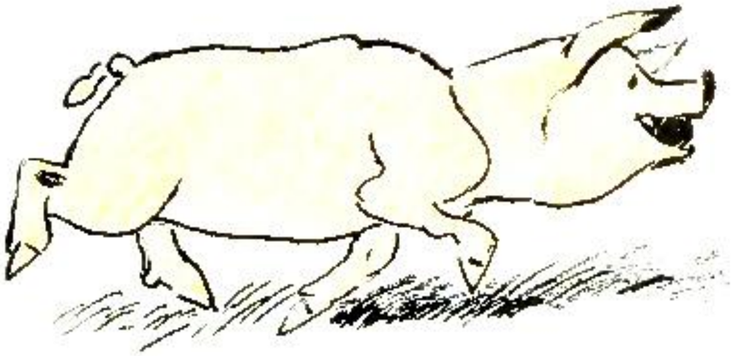

एक बार की बात है पियरे नाम का एक लड़का था.

वह अपने पिता और माँ के साथ फ्रांस देश में एक छोटे से फार्म पर रहता था.

पियरे अकेला था और वो अक्सर भूखा रहता था.

पियरे का परिवार बहुत गरीब था.

पापा कहते, "काश हमारे पास एक सुअर होता!"

"हम एक बड़ा सूअर कभी खरीद नहीं पाएंगे.

लेकिन हम एक सुअर का बच्चा ज़रूर खरीद सकते हैं

हम उसे पाल-पोस कर बड़ा कर सकते हैं,"

माँ ने सुझाव दिया.

पापा ने कहा, "तुम सही कह रही हो!"

"फिर, सर्दी और खराब मौसम आने पर,

हमारे पास हमेशा खाने के लिए काफी कुछ होगा."

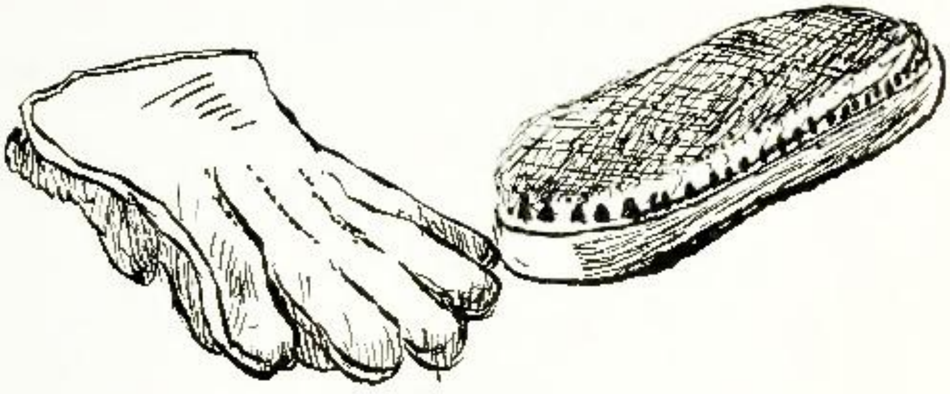

"फिर क्या मैं खुली आग पर कांटे पर सॉसेज भून सकता हूँ?" पियरे ने पूछा.

"बिल्कुल!" पापा ने कहा.

"हम सूअर की खाल को चमड़े के सामान के लिए बेच देंगे और बालों को ब्रश के लिए. सूअर का कोई भी हिस्सा कभी बेकार नहीं जाता है."

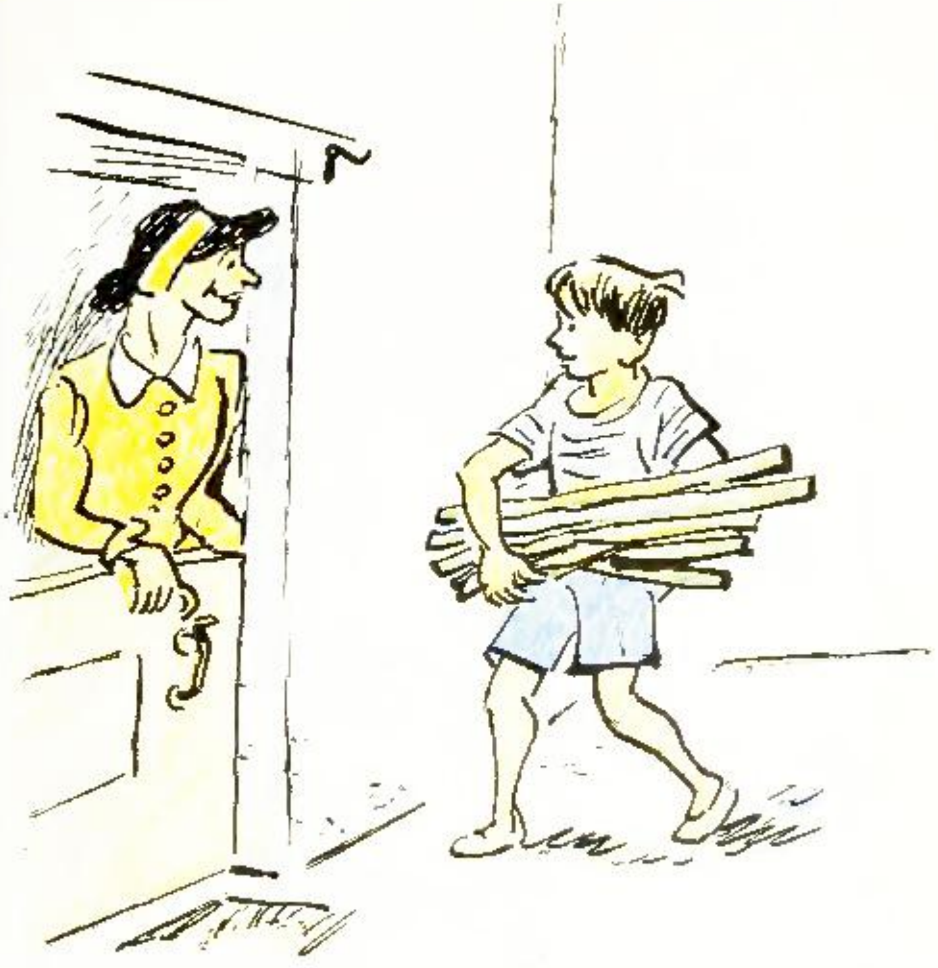

सच में, एक सूअर का बच्चा खरीदना,

हमारे लिए फायदेमंद साबित होगा.

उसके बाद, हर बार जब वे अपनी मुर्गियों के अंडे बेचते, तो उसमें से जितना संभव होता वे उतने पैसे बचाते थे.

पियरे ने भी अपने पैसे बचाए.

हर सुबह, वह मैडम मार्सेल, अपनी पुराने पड़ोसिन के लिए जलाऊ लकड़ी लाने जाता था.

पियरे ने मैडम मार्सेल को, सूअर के बच्चे के बारे में बताया.

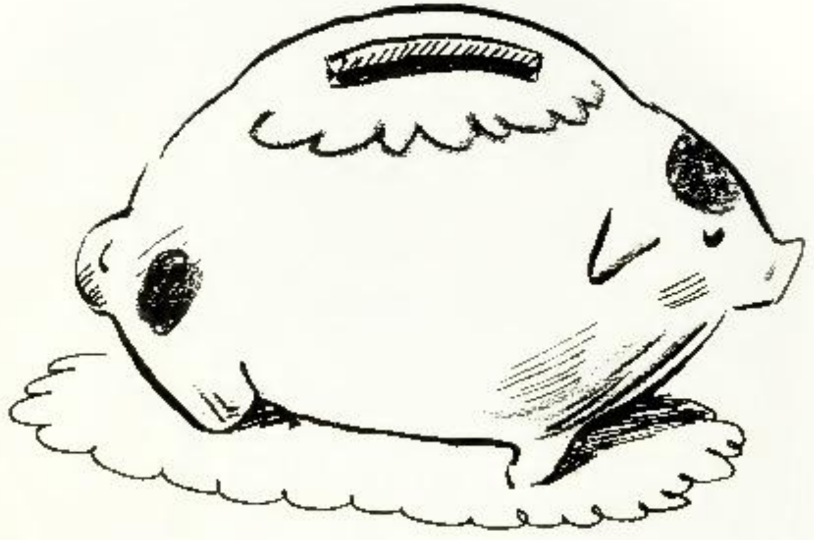

मैडम मार्सेल ने पियरे को कुछ पैसे और एक गुल्लक दिया.

उन्होंने कहा, "जब यह गुल्लक भर जाए, तो फिर तुम उसे तोड़ देना और तब तुम्हें सूअर के बच्चे के लिए पैसे मिल जायेंगे."

पियरे ने मैडम मार्सेल को धन्यवाद दिया.

उसने पैसे गुल्लक की झिरी में डाल दिए.

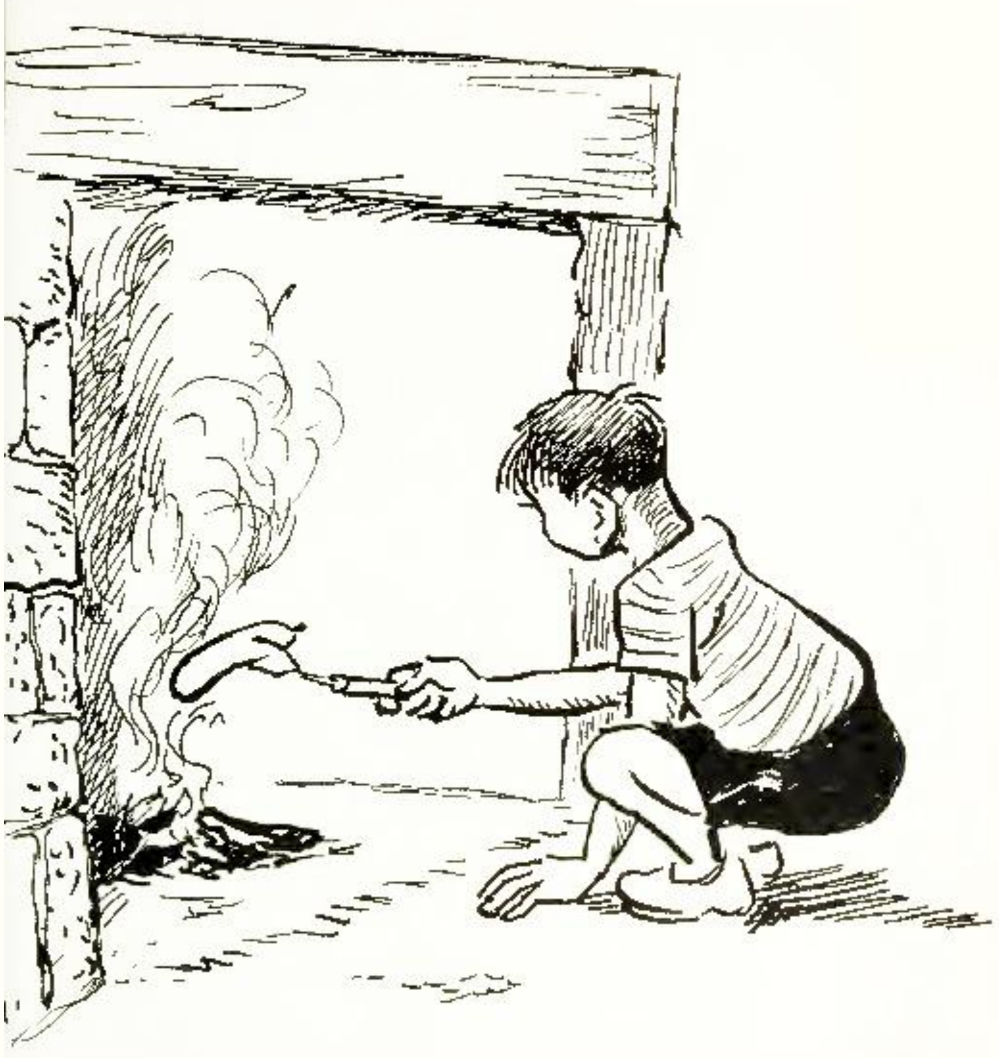

पियरे को अपना गुल्लक बार-बार हिलाना बहुत पसंद था.

गुल्लक की आवाज उसे खुली आग पर भूने सॉसेज की याद दिलाती थी.

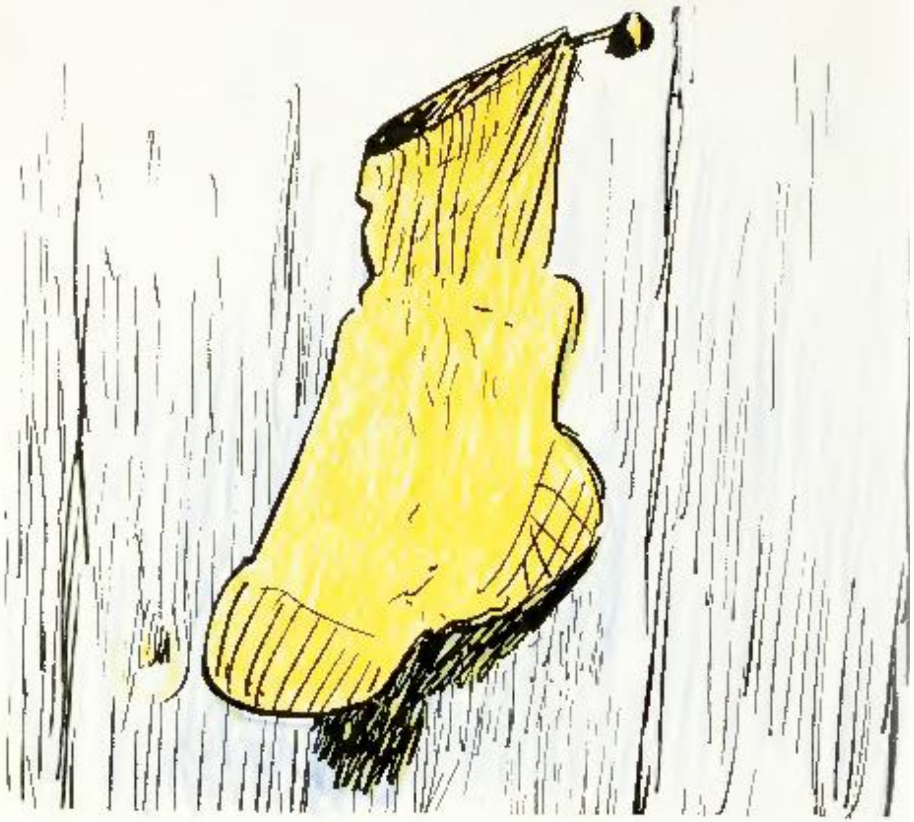

पापा और माँ अपने अंडों के पैसों से
जितना हो सकता उतना बचाते रहे.

उन्होंने अपनी बचत के पैसे एक ऊनी
मोजे में संभाल कर रखे.

एक सुबह पापा ने कहा,

"आज एक बड़ा दिन है!

आज हम एक सूअर का बच्चा

खरीदने के लिए बाजार जायेंगे."

माँ ऊनी मोजा लेकर आई.

पियरे ने अपना गुल्लक भी साथ में लिया.

बाजार में बहुत शोर-शराबा था!

भेड़ें चिल्ला रही थीं, बा-बा,

बकरियाँ, मे-मे,

मुर्गियाँ, क्लक-क्लक,

बत्तखें, क्वैक-क्वैक,

सूअर, ओइंक-ओइंक,

हंस, हिस-हिस,

गाय, मू-मू,

घोड़े, हिन-हिन,

गधे, ही-हा,

और मुर्गे, कॉक-ए-डूडल-डू!

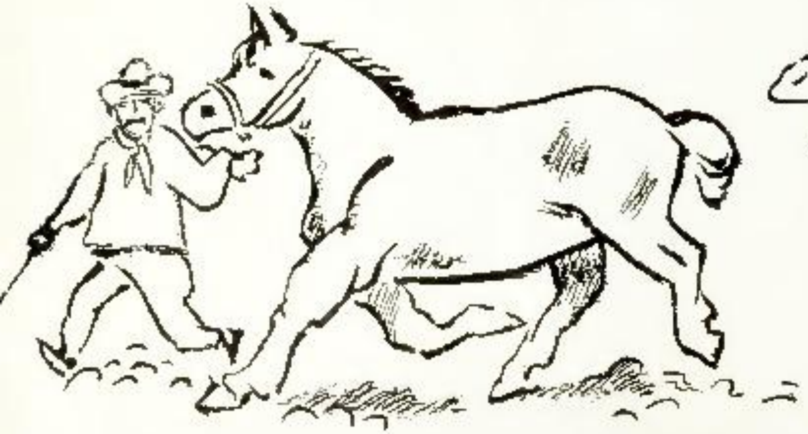

और व्यापारी अपना माल

चिल्ला-चिल्लाकर बेंच रहे थे.

"मेरी शानदार गोभी देखो!

मेरा ताज़ा सलाद खरीदो!

मेरी खूबसूरत गाजरों को देखो!"

ट्रफल्स मशरूम! ट्रफल्स मशरूम!

चिकने, बेहतरीन ट्रफल्स मशरूम!

"किसको ट्रफल्स मशरूम चाहिए?" एक व्यापारी चिल्लाया.

"वे कहाँ उगते हैं?" पियरे ने पूछा.

"वे ज़मीन के नीच उगते हैं, मेरे लड़के,"

"ट्रफल्स मशरूम बहुत महंगे होते हैं, है न?"

पियरे ने उनकी कीमत टैग को देखते हुए कहा.

"उनका स्वाद बेहद लाजवाब होता है. इसलिए अमीर लोग ट्रफल्स मशरूम्स के लिए बहुत पैसे देते हैं, मेरे लड़के."

पियरे सोच रहा था कि सूअर के बच्चे कहाँ थे.

अचानक वह एक स्टॉल के सामने रुका.

वहाँ कुछ ऐसा था

जो उसने पहले कभी नहीं देखा था -

बदसूरत दिखने वाले

छोटे गहरे भूरे रंग की गांठों का एक बड़ा ढेर.

वे क्या हो सकते हैं?

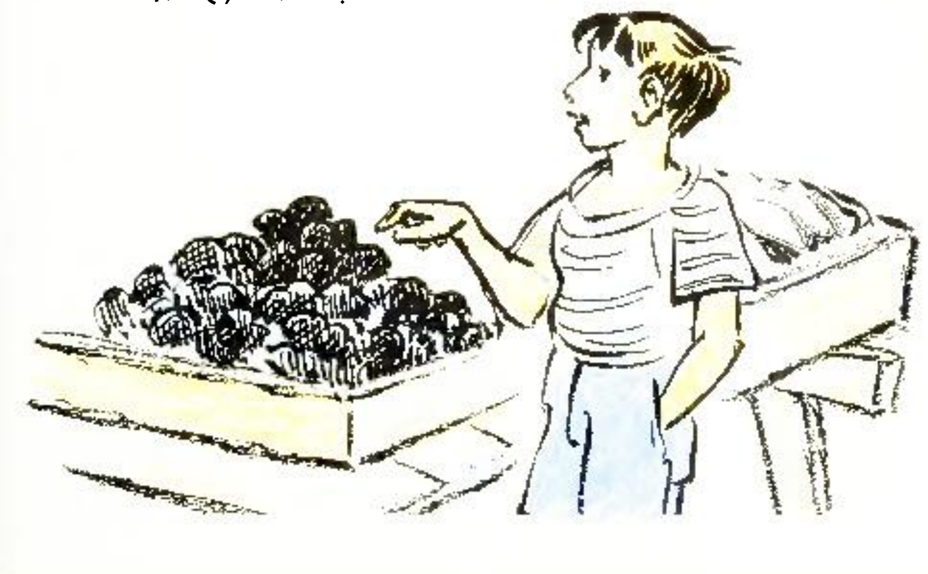

"पियरे! पियरे!"

पियरे, माँ की आवाज़ की दिशा में भागा.

वहां सूअर के बच्चे थे!

पापा और माँ वहाँ एक व्यापारी से

मोल-भाव कर रहे थे.

वो सूअर छोटा था, और उसका रंग प्यारा गुलाबी था.

यह बहुत चतुर दिख रहा था.

पियरे को वो एकदम पसंद आ गया.

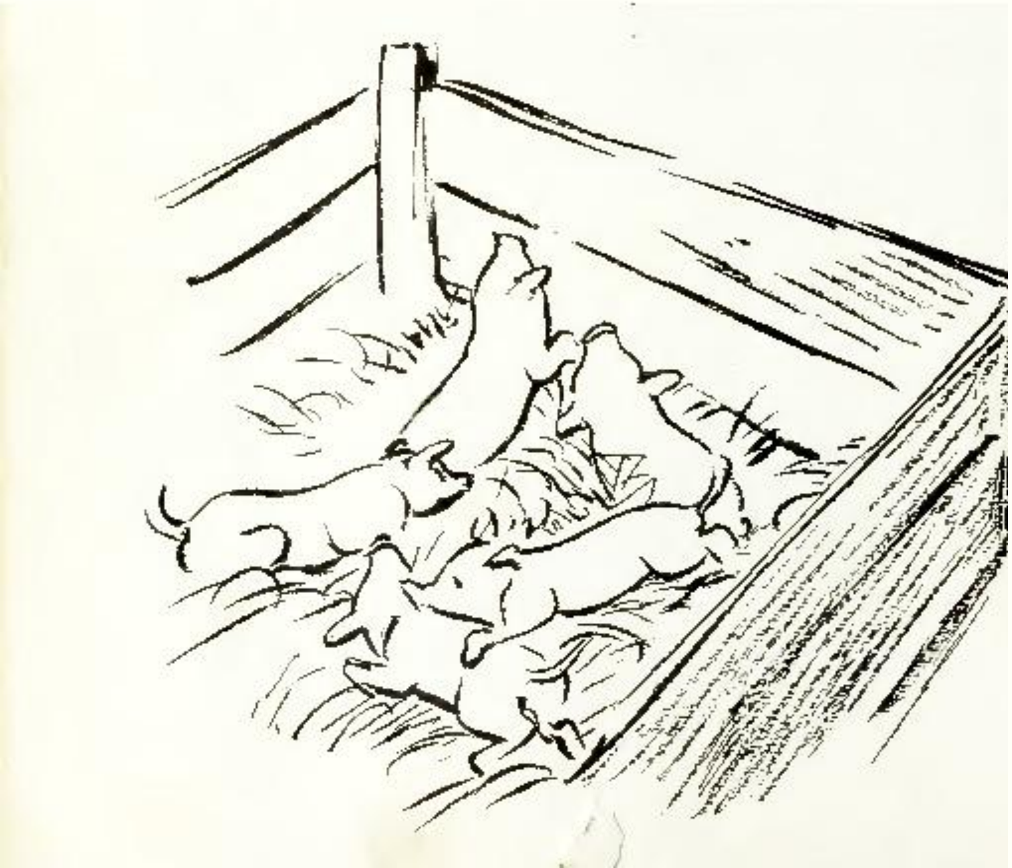

"इस छोटे सूअर के बच्चे के लिए आप बहुत ज़्यादा पैसे मांग रहे हैं," पापा ने तर्क दिया.

"वो जल्द ही बड़ा हो जाएगा," व्यापारी ने जवाब दिया.

"हमारे लिए दाम कुछ कम करो," पापा ने विनती की.

"मैं जितना हो सकता था,

उतना पहले ही नीचे आ चुका हूँ,"

व्यापारी ने बड़बड़ाते हुए कहा.

"रुको!" पीछे से पियरे चिल्लाया.

उसने अपना हाथ खोला और धमाके के साथ उसने अपना गुल्लक पत्थर की फुटपाथ पर मारा!

फिर उन्होंने मिलकर पैसे गिने.

अब उनके पास बस उतने पैसे थे

जितने उन्हें इस व्यापारी की कीमत चुकाने के लिए चाहिए थे.

"कृपया!" माँ ने विनती की.

"हमारे पास उतनी कीमत देने के लिए पर्याप्त पैसे नहीं है."

"क्षमा करें, मैडम, दाम इससे कम नहीं होगा. आप खरीदें या उसे छोड़ दो."

पापा और माँ ने एक-दूसरे को देखा.

उन्होंने अपना सिर हिलाया

फिर वे आगे चलने लगे.

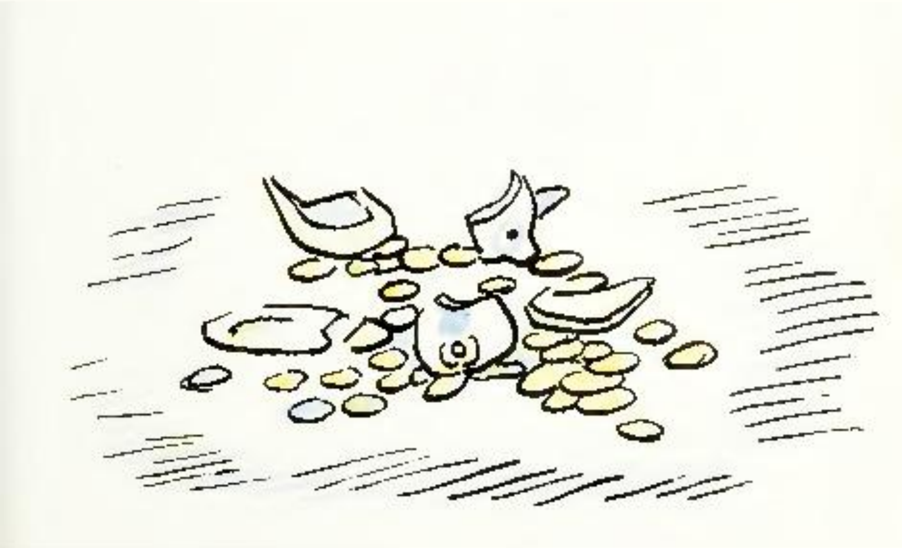

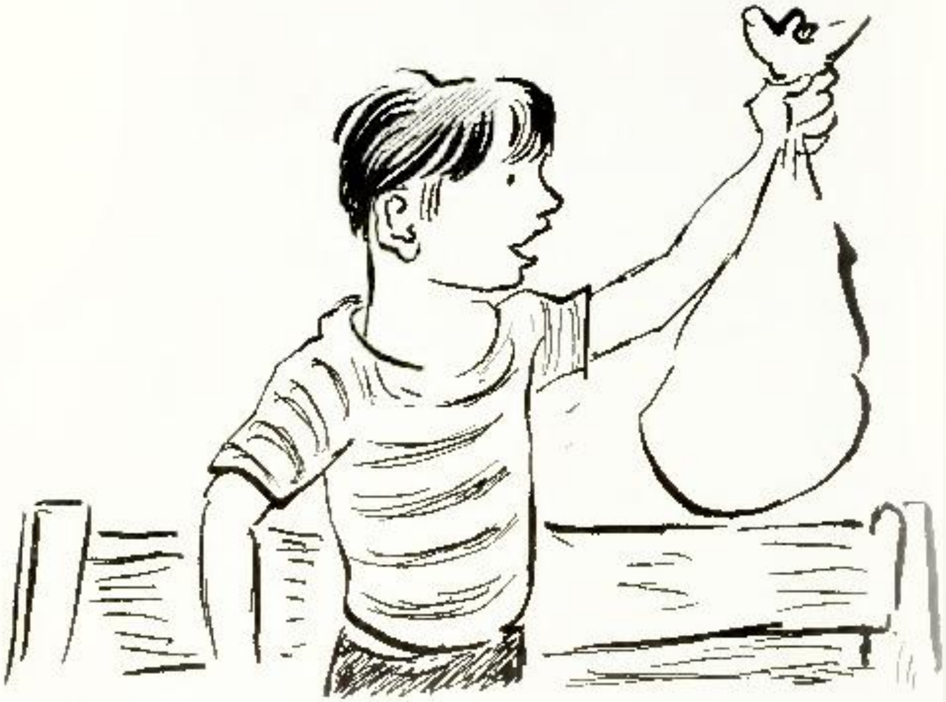

पापा ने सूअर के बच्चे को उठाया

उन्होंने उसे एक बैग में डाल दिया.

"कृपया, मुझे उसे उठाने दें," पियरे ने कहा.

"यह मेरा सूअर का बच्चा है."

पियरे ने सूअर के बच्चे का नाम मार्सेल रखा.

उसने मैडम मार्सेल को बताया

कि उसने अपने सूअर का नाम

उनके नाम पर रखा था.

वह सुनकर मैडम मार्सेल बहुत खुश हुई.

पियरे ने मार्सेल की अच्छी देखभाल की.

हर दिन वह उसके लिए खाना लाता,

वो उसका दबड़ा साफ़ करता,

उसको ब्रश करता और उससे बातें करता.

जल्द ही मार्सेल पियरे को देखकर प्यार से गुर्राता.

पियरे अब अकेला नहीं था.

मार्सेल हर जगह पियरे का पीछा करता था.

दोनो मिलकर मैडम मार्सेल के घर गए.

उसने कहा, "तुम एक बहुत ही होशियार सूअर दिखते हो, मार्सेल.

मुझे आश्चर्य नहीं हुआ जब मैंने सुना कि तुम्हारा नाम मेरे नाम के ऊपर रखा गया है! यह बड़े दुःख की बात है मैं तुम्हें कुछ ट्रफल्स मशरुम नहीं खिला सकती! क्या तुम कुछ बलूत के फल खाना पसंद करोगे?"

मार्सेल को बलूत के फल पसंद आए.

पियरे ने चॉकलेट कस्टर्ड खाया.

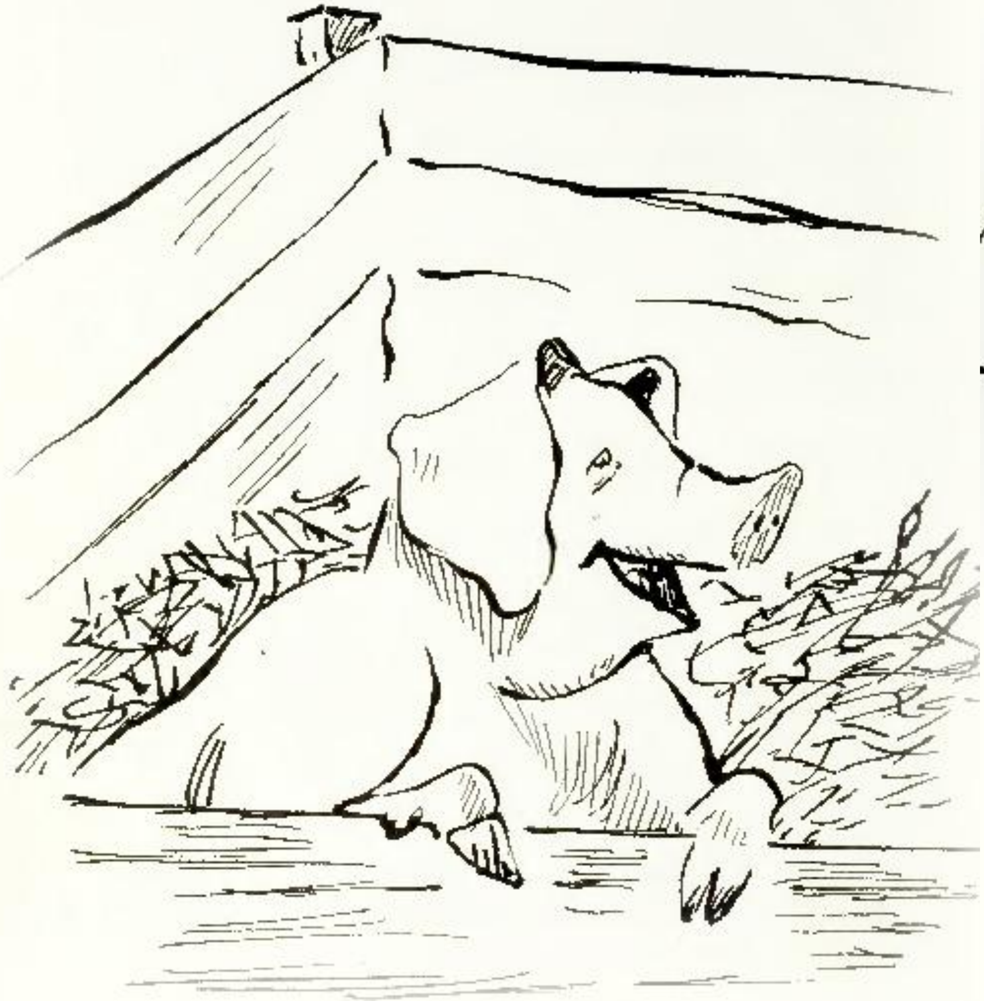

मार्सेल बड़ा होता गया.

जल्द ही वह एक सुंदर सूअर बन गया.

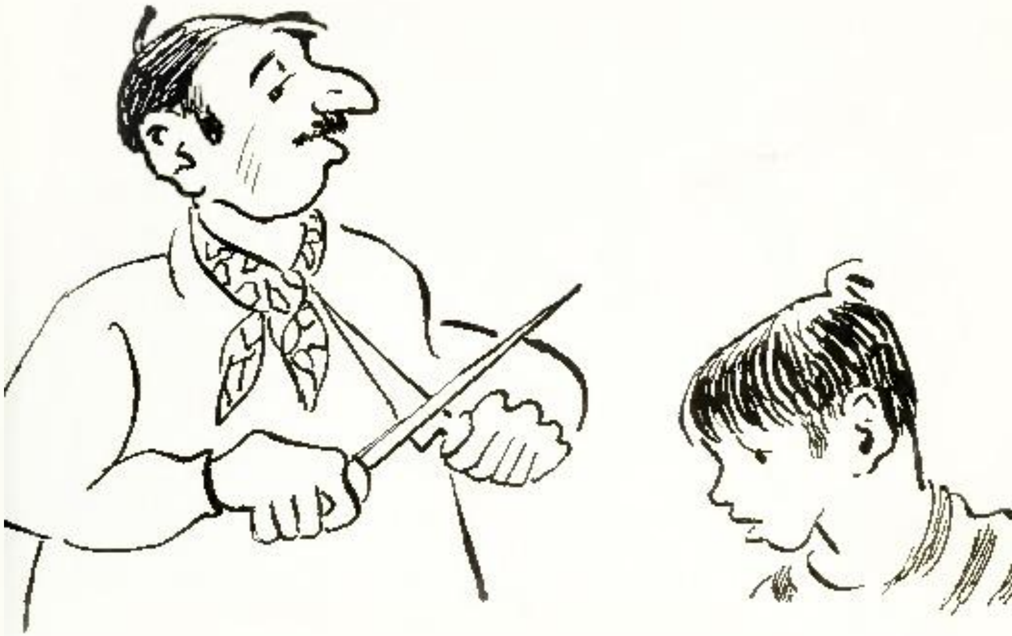

एक दिन पापा ने कहा,

"पियरे, जल्दी ही तुम खुली

आग पर रखकर सूअर के सॉसेज

को भून पाओगे!

अब वह सुअर काफी मोटा है.

कल हम उसे काट सकते हैं."

क्या? मार्सेल? पियरे का दोस्त?

ऐसा कभी नहीं होगा!

पियरे खलिहान की ओर भागा.

उसने मार्सेल को अपनी बाँहों में उठाया

और फिर वो फुसफुसाया,

"हम भाग जाएँगे, तुम और मैं.

आज रात, साथ मिलकर!''

जब शाम हुई, तो पियरे ने कहा,

"मैं मार्सेल को सैर पर ले जा रहा हूँ."

उसने माँ को गले लगाया, और पापा को भी चूमा.

फिर उसने अपनी टोपी पहनी और बाहर चला गया.

पियरे और मार्सेल जंगल की ओर चल पड़े.

पक्षी सो गए थे.

हवा में मिट्टी और पौधों की महक भरी थी.

बहुत शांति थी.

मार्सेल खुशी-खुशी इधर-उधर भाग रहा था.

उसे किसी बात की चिंता नहीं थी.

पियरे सीधे आगे चलता गया.

उसका दिल भारी था.

उसे मन में तमाम चिंताएँ थीं.

वे आगे बढ़ते गए.

कुछ ही देर में मार्सेल थक गया.

वह बैठ गया. पियरे ने उसे थपथपाया.

"चलो, मार्सेल, चलो!

हम अब कभी वापस नहीं जाएँगे!"

वे जंगल में आगे-आगे चलते रहे,

उतनी दूर वे पहले कभी नहीं गए थे.

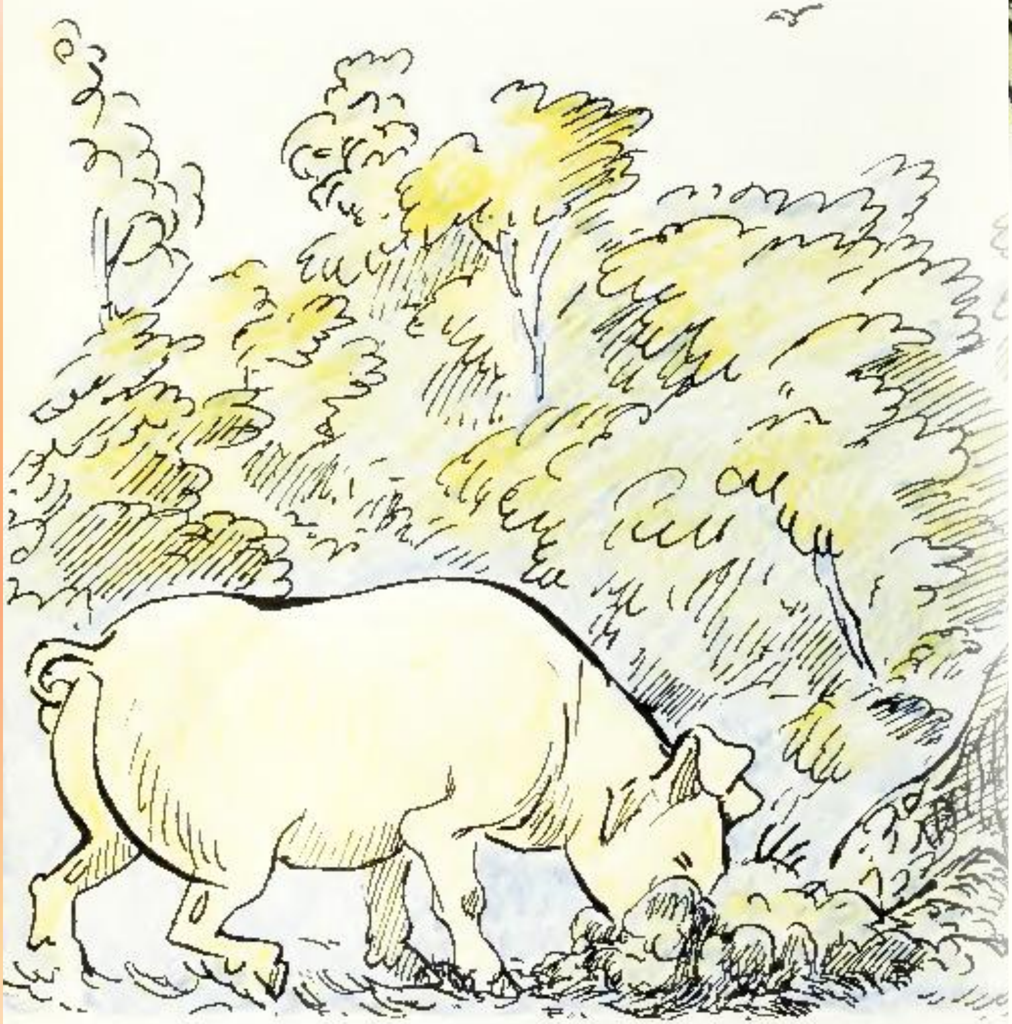

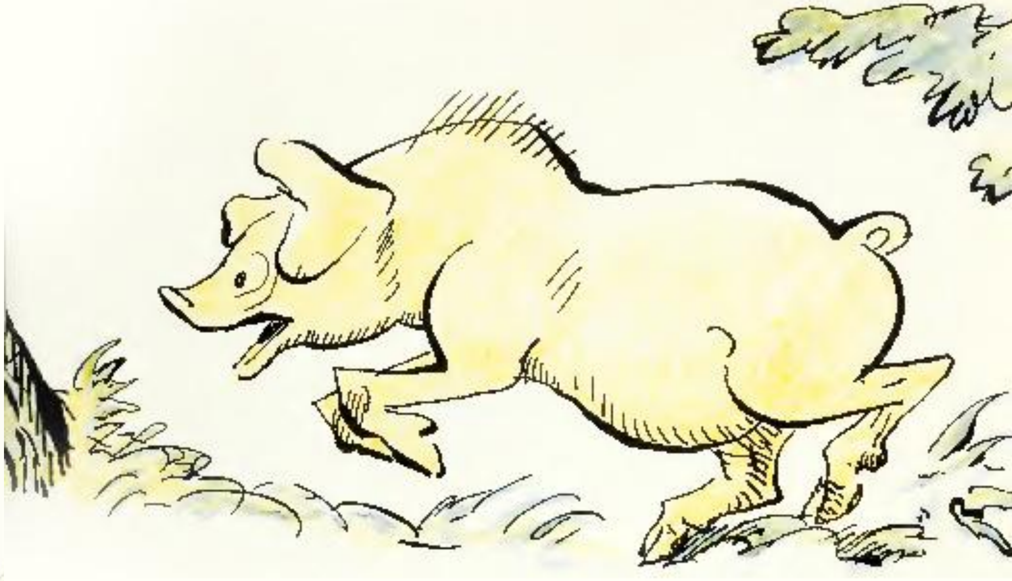

अचानक मार्सेल रुक गया, वो कुछ सूँघने लगा,

वो कराहने लगा और गुर्राने लगा.

वह बेतहाशा उछलने लगा.

उसने अपनी पूरी ताकत से

ओक के पेड़ के नीचे खुदाई करना शुरू की.

"मार्सेल! मार्सेल! चलो!" पियरे ने विनती की.

लेकिन सूअर ने उसकी बात पर कोई ध्यान नहीं दिया.

पियरे ने उसे दूर खींचने की कोशिश की.

लेकिन मार्सेल बिल्कुल नहीं हिला.

उसने खुदाई की और बड़ी उग्रता से खुदाई की.

एक ट्रफल्स मशरूम!

ठीक वैसा ही जैसा पियरे ने

महीनों पहले बाज़ार में देखा था!

पियरे घर वापस भागा.

मार्सेल भी भागा.

वह पियरे के हाथ में

छिपा हुआ मशरूम चाहता था.

उस मशरूम की महक स्ट्रॉबेरी जैसी थी.

अचानक, उसने छेद में से

एक गहरे भूरे रंग का बदसूरत चीज़ निकाली.

पियरे चीखा और उसने वो चीज़ मार्सेल से छीन ली

इससे पहले कि मार्सेल उसे निगल जाता.

पापा और माँ दरवाजे पर खड़े थे.

"तुम कहाँ थे?" वे चिल्लाए.

"देखो! देखो!" पियरे चिल्लाया.

और फिर उसने अपना हाथ खोला.

"ट्रफल्स मशरूम! यह तुम्हें कहाँ से मिला?"

"मार्सेल ने उसे खोजा, उसने उसे खोदकर निकाला."

"हे भगवान!" माँ चिल्लाई.

"हमारा मार्सेल एक मशरूम सुअर निकला!"

"एक मशरूम सुअर! वाह!" पापा चिल्लाए.

और पापा ने माँ और पियरे के हाथ पकड़े,

और वे मार्सेल के चारों ओर नाचने लगे.

"अब से," पापा ने कहा,

"कोई भी इस सूअर का एक बाल तक नहीं छुएगा!"

"वह सूअर हमारे परिवार का कमाऊ सदस्य बनेगा,“ माँ ने आगे कहा.

"कैसे?" पियरे ने पूछा.

"वह मशरूम खोजेगा, और हम लोग ट्रूफल्स मशरुम बेचेंगे," पापा ने समझाया.

"ठीक है," माँ ने कहा.

"लोग यह नहीं जानते हैं कि मशरूम जमीन के नीचे कहाँ उगते हैं. सूअर, केवल होशियार सूअर ही उन्हें खोदकर निकाल सकते हैं.”

“अपने मार्सेल की तरह!” पियरे चिल्लाया.

पियरे बहुत खुश था.

उसके बाद हर सुबह मार्सेल, पियरे, मामा और पापा जंगल में जाते थे.

वहाँ पर मार्सेल, ट्रफल्स मशरूम की तलाश करता था.

पियरे, पापा और मामा उन्हें एक थैले में भरते थे.

कभी-कभी पापा मार्सेल को पनीर का एक छोटा टुकड़ा देते थे.

पियरे मार्सेल को कभी-कभार एक मशरूम खाने भी देता था.

मार्सेल को वे बहुत पसंद थे!

मैडम मार्सेल को भी ट्रफल्स मशरूम पसंद थे.
पियरे उनके लिए कुछ मशरुम लेकर गया.
वह मार्सेल सूअर के अच्छे भाग्य से खुश थीं.
“मुझे हमेशा से पता था, कि वह एक बहुत
होशियार सूअर निकलेगा!” उन्होंने कहा.

हर हफ्ते पापा, मामा और पियरे बाजार जाते थे.
वहां वे ट्रफल्स मशरुम बेचते थे.
जल्द ही उनके बहुत सारे चाहते ग्राहक बन गए.
पियरे अब कभी भूखा नहीं रहता था.
धीरे-धीरे उन्होंने एक छोटा सा
सुंदर घर बनाया जिसमें एक चिमनी थी.
उन्होंने मार्सेल के लिए नीली टाइलों वाला
एक नया शौचालय और एक ताल भी बनाया.

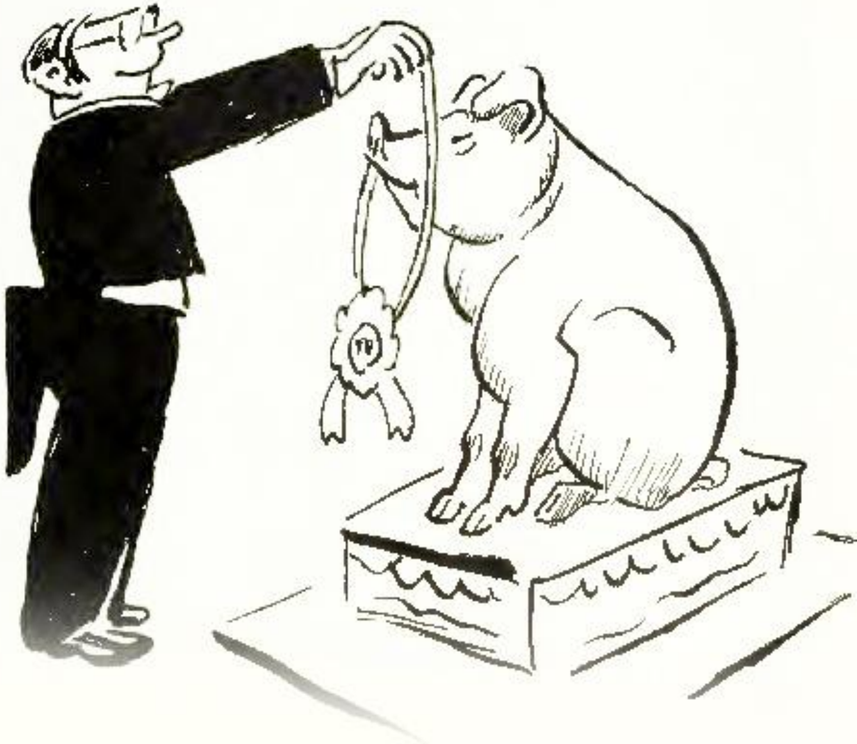

पियरे ने मैडम मार्सेल को एक दावत
के लिए आमंत्रित किया.

उसने खुली आग पर कांटे पर कई
सॉसेज भूने - केवल बीफ सॉसेज!

वे बड़े स्वादिष्ट थे!

मार्सेल बहुत प्रसिद्ध हो गया.

उसे राष्ट्रीय मशरूम-सूअर प्रतियोगिता में

प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया.

उसके बाद से पापा और मम्मी को बाजार जाने की ज़रूरत ही नहीं पड़ी.

अब मार्सेल सिर्फ़ मौज-मस्ती के लिए ही मशरूम इकट्ठे करने जाता था.

मैडम मार्सेल और पियरे के लिए हमेशा बहुत सारे मशरूम होते थे,

और उसके अच्छे दोस्त मार्सेल - मशरूम सुअर के लिए भी पर्याप्त मशरूम होते थे!

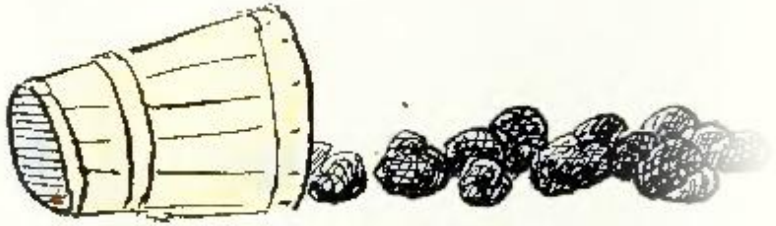

अंत